2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर निर्यात संभव: गोयल

दावोस सम्मेलन

दावोस, एजेंसी। कोविड-19 महामारी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के प्रभावित होने के बावजूद मार्च, 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान भारत का निर्यात 421.8 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। साथ ही शिपमेंट 2030 तक बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर का हो सकता है। ये बातें केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कही।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच में व्यापार 4.0 पर नाश्ता सत्र को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर मूल्य के व्यापार और सेवाओं के निर्यात का लक्ष्य हासिल कर सकता है। पिछले आठ वर्षों में सरकार ने संरचनात्मक सुधारों पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित किया था। इन सभी सुधारों ने संकट के समय देश का साथ निभाया। भारत की कहानी को दुनिया भर में बहुत उत्साह मिल रहा है। मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों से कोविड-19 , चिप की कमी, संघर्ष, कमोडिटी की बढ़ती कीमतें, कंटेनर की कमी, महत्वपूर्ण शिपिंग और लॉजिस्टिक्स मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से बड़े पैमाने पर आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। इससे वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था का संतुलन गड़बड़ा गया है। वहीं, भारतीय व्यापारियों ने निर्यात लक्ष्यों को पार करते हुए 421.8 बिलियन डॉलर के निर्यात को प्राप्त करने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था।

कश्मीर मुद्दा गंभीर, पर कोई बात नहीं करना चाहता: हिना रब्बानी

दावोस। पाकिस्तान की विदेश राज्यमंत्री मंत्री हिना रब्बानी खार ने मंगलवार को कश्मीर के मुद्दे को ऐसा विषय करार दिया जिसके गंभीर होते हुए भी कोई उस पर बात नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष पुराने मसले के समाधान के बिना दक्षिण एशिया को एक करने और व्यापार को बढ़ाने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में खार ने यह बयान दिया। एक सदस्य ने टिप्पणी की, कि भारत अब चीन से चिंतित है।